KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–8

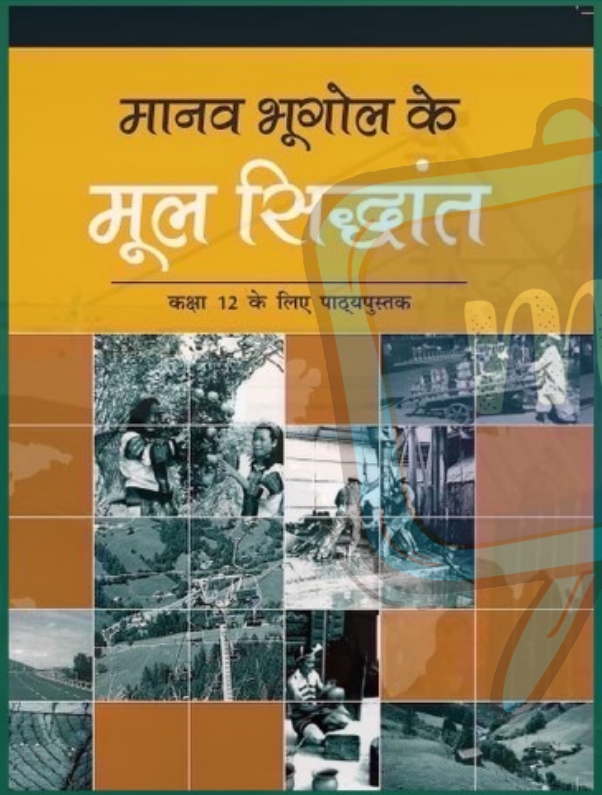
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भाग - 3

पंकज वैष्णव

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विषय सूची

आमुख	*v*
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	*vii*
इकाई-1	
अध्याय 1 मानव भूगोल प्रकृति एवं विषय क्षेत्र	1–6
इकाई-2	
अध्याय 2 विश्व जनसंख्या वितरण, घनत्व और वृद्धि	7–12
अध्याय 3 मानव विकास	13–20
इकाई-3	
अध्याय 4 प्राथमिक क्रियाएँ	21–34
अध्याय 5 द्वितीयक क्रियाएँ	35–43
अध्याय 6 तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप	44–52
अध्याय 7 परिवहन एवं संचार	53–69
अध्याय 8 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	70–77
परिशिष्ट	78–80
शब्दावली	81–84

© NCERT not to be republished

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- विश्व व्यापार संगठन (WTO) का स्थापना वर्ष और मुख्यालय है :-

(a) 1964, पेरिस (फ्रांस)

(b) 1974, लंदन (ब्रिटेन)

(c) 1984, रोम (इटली)

(d) 1994, जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)

1948 → GATT

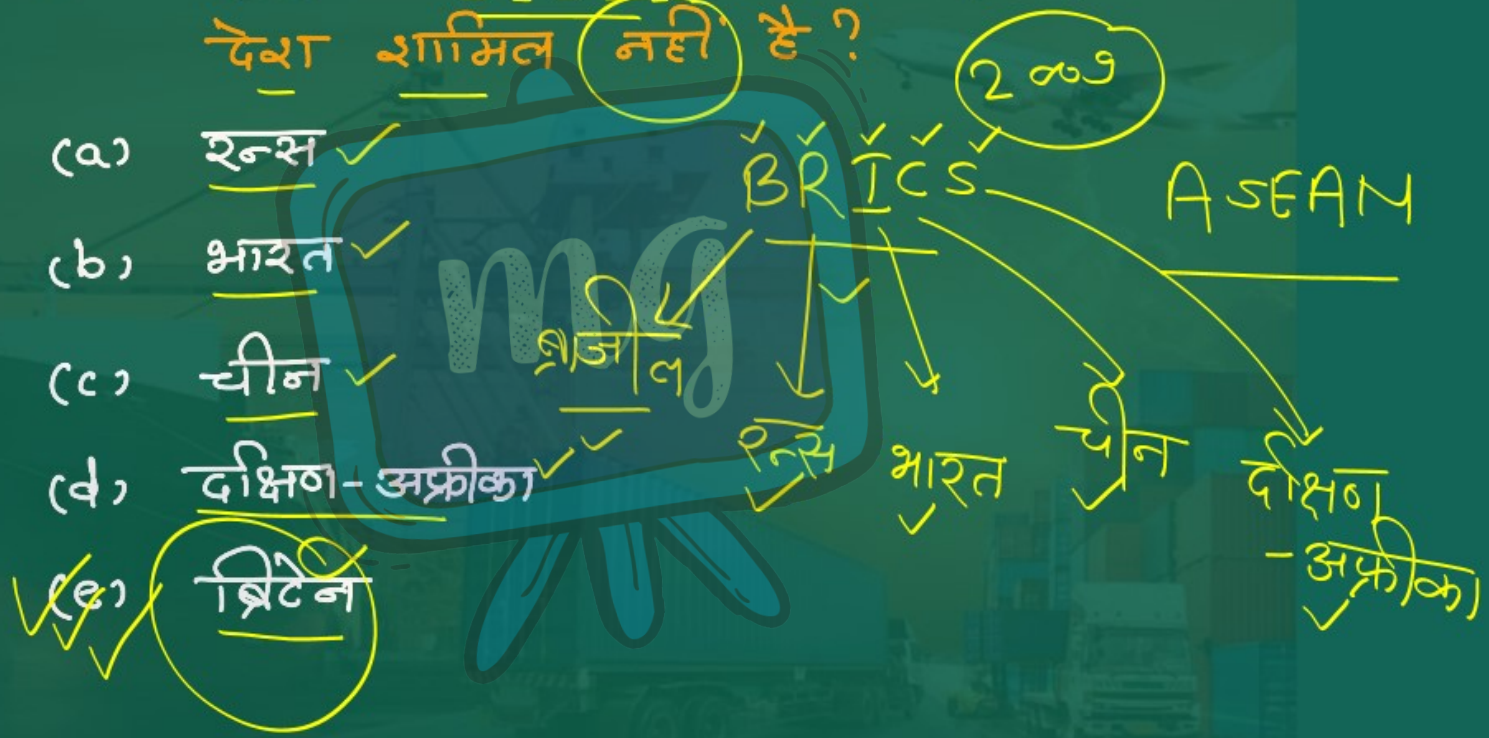
1994 → WTO

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- ब्रिक्स (BRICS) समूह में कौनसा देश शामिल नहीं है?

(a) रूस
(b) भारत
(c) चीन
(d) दक्षिण-अफ्रीका
(e) ब्रिटेन



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- आसियान (ASEAN) समूह में आने वाले 10 देश विश्व के किस भाग से संबंधित है?



(a) उत्तर-पूर्व यूरोप ✗

(b) दक्षिण-पश्चिम ऑस्ट्रेलिया

(c) दक्षिण-पूर्व एशिया

(d) उत्तर-पश्चिम अफ्रीका

म्यांमार
लाओस
थाईलैण्ड
कम्बोडिया
वियतनाम

मलेशिया
सिंगापुर
इण्डोनेशिया
ब्रुनेई
फिलीपींस

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- ऋणात्मक व्यापार संतुलन का मतलब है?

(a) आयात = निर्यात

(b) आयात > निर्यात

(c) आयात < निर्यात

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

आयात → −

निर्यात → +

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- धनात्मक या अनुकूल व्यापार संतुलन का अर्थ है :-

(a) आयात = निर्यात

(b) आयात > निर्यात

(c) आयात < निर्यात

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

आयात −

निर्यात +

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार

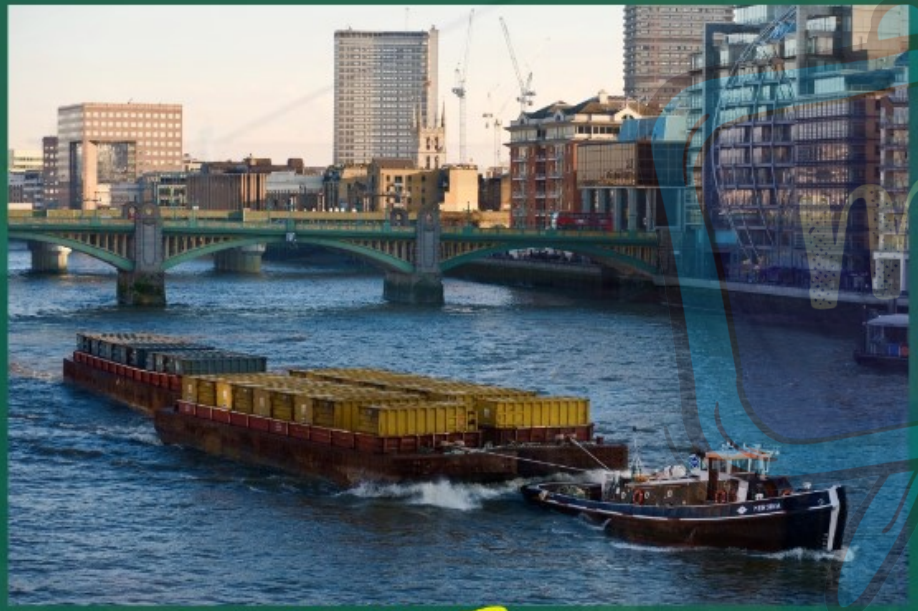


पत्तन

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की दुनिया के मुख्य प्रवेश द्वार पोताश्रय तथा पत्तन होते हैं। इन्हीं पत्तनों के द्वारा जहाज़ी माल तथा यात्री विश्व के एक भाग से दूसरे भाग को जाते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



BARGE

पत्तन जहाज़ के लिए लादने, उतारने तथा भंडारण हेतु सुविधाएँ प्रदान करते हैं। इन सुविधाओं को प्रदान करने के उद्देश्य से पत्तन के प्राधिकारी नौगम्य द्वारों का रख-रखाव, रस्सों व बजरों (छोटी अतिरिक्त नौकाएँ) की व्यवस्था करने और श्रम एवं प्रबंधकीय सेवाओं को उपलब्ध कराने की व्यवस्था करते हैं।

KOLORS
make life better

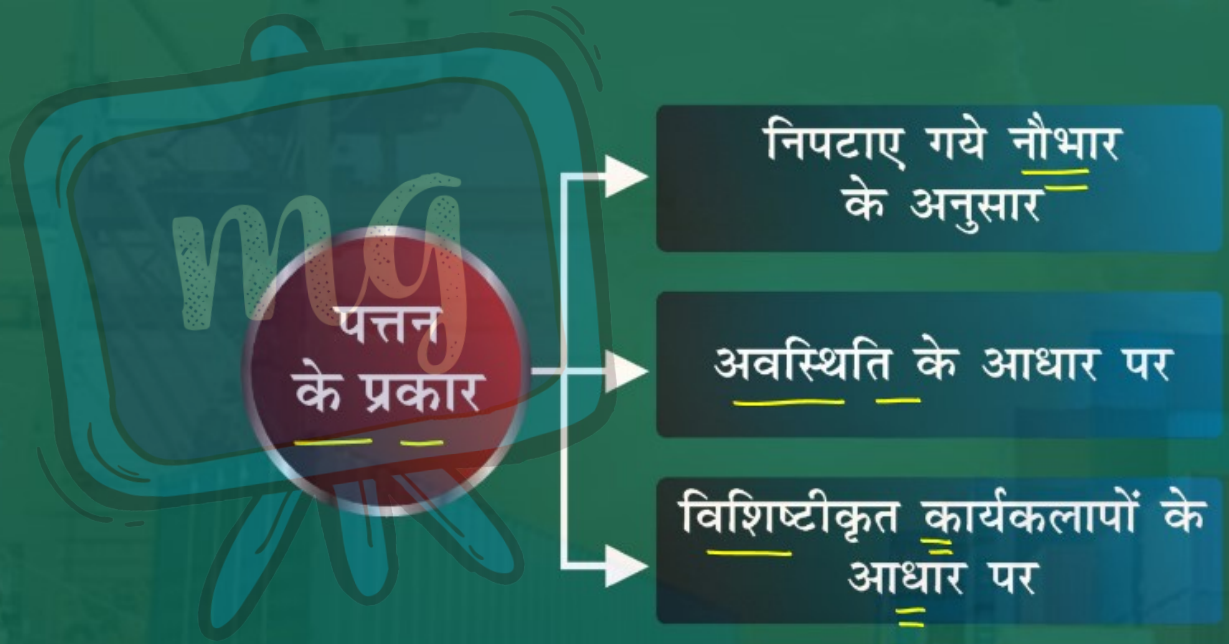
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

CARGO

एक पत्तन के महत्त्व को नौभार के आकार और जहाजों की संख्या द्वारा निश्चित किया जाता है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(CARGO)

1. नौभार के अनुसार पत्तनों के प्रकार :

(i) औद्योगिक पत्तन :- ये पत्तन थोक नौभार के लिए विशेषीकृत होते हैं जैसे-अनाज, चीनी, अयस्क, तेल, रसायन और इसी प्रकार के पदार्थ।

(ii) वाणिज्यिक पत्तन :- विनिर्मित वस्तुओं का निपटान करते हैं। ये पत्तन यात्री-यातायात का भी प्रबंध करते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(iii) विस्तृत पत्तन :- ये पत्तन बड़े परिमाण में सामान्य नौभार व थोक नौभार प्रबंध करते हैं।

विश्व के बड़े पत्तन इसी वर्ग में।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





2. अवस्थिति के आधार पर पत्तनों के प्रकार

(i) अंतर्देशीय पत्तन :- ये पत्तन समुद्री तट से दूर अवस्थित होते हैं। ये समुद्र से एक नदी अथवा नहर द्वारा जुड़े होते हैं। ऐसे पत्तन चौरस तल वाले जहाज़ या बजरे द्वारा ही गम्य होते हैं। BARGE

उदाहरणस्वरूप- मानचेस्टर (एक नहर से जुड़ा है) मेंफिस (मिसीसिपी नदी पर) ; (राइन के अनेक पत्तन हैं) जैसे- मैनहीम

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



तथा ड्यूसबर्ग; और कोलकाता हुगली नदी, जो गंगा नदी की एक शाखा है)

(ii) बाह्य पत्तन :- ये गहरे जल के पत्तन हैं जो वास्तविक पत्तन से दूर बने होते हैं। ये उन जहाज़ों, जो अपने बड़े आकार के कारण उन तक पहुँचने में अक्षम हैं, को ग्रहण करके पैतृक पत्तनों को सेवाएँ प्रदान करते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. विशिष्टीकृत कार्यकलापों के आधार पर पत्तनों के प्रकार

Processing.

(i) **तैल पत्तन** :- ये पत्तन तेल के प्रक्रमण और नौ-परिवहन का कार्य करते हैं। इनमें से कुछ टैंकर पत्तन हैं तथा कुछ तेल शोधन पत्तन हैं।

वेनेजुएला में (माराकाइबो) ट्यूनिशिया में (एस्सखीरा) लेबनान में त्रिपोली टैंकर पत्तन हैं। पर्शिया की खाड़ी पर (अबादान) एक तेलशोधन पत्तन है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

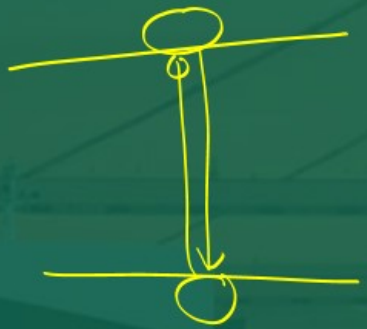


(ii) मार्ग पत्तन (विश्राम पत्तन) :- ये ऐसे पत्तन हैं, जो मूल रूप से मुख्य समुद्री मार्गों पर विश्राम केंद्र के रूप में विकसित हुए, जहाँ पर जहाज़ पुन : ईंधन भरने, जल भरने तथा खाद्य सामग्री लेने के लिए लंगर डाला करते थे।

बाद में, वे वाणिज्यिक पत्तनों में विकसित हो गए। अदन, होनोलूलू तथा सिंगापुर इसके अच्छे उदाहरण हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(iii) पैकेट स्टेशन :- इन्हें फ़ेरी-पत्तन के नाम से भी जाना जाता है।

- ये पैकेट स्टेशन विशेष रूप से छोटी दूरियों को तय करते हुए जलीय क्षेत्रों के आर-पार डाक तथा यात्रियों के परिवहन (आवागमन) से जुड़े होते हैं।
- ये स्टेशन जोड़ों में इस प्रकार अवस्थित होते हैं कि वे जलीय क्षेत्र के आरपार एक दूसरे के सामने होते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



उदाहरणस्वरूप–इंग्लिश चैनल के आरपार इंग्लैंड में डोवर तथा फ्रांस में कैलाइस।

(iv) आंत्रपो पत्तन :– ये वे एकत्रण केंद्र हैं, जहाँ विभिन्न देशों से निर्यात हेतु वस्तुएँ लाई जाती हैं।

सिंगापुर (एशिया के लिए एक आंत्रपो पत्तन) है, रोटरडम (यूरोप के लिए) और कोपेनहेगेन (बाल्टिक क्षेत्र के लिए आंत्रपो पत्तन) हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





(v) नौ सेना पत्तन :- ये केवल **सामरिक** महत्त्व के पत्तन हैं।

पूर्ण

- ये पत्तन युद्धक जहाज़ों को सेवाएँ देते हैं तथा उनके लिए मरम्मत कार्यशालाएँ चलाते हैं।
- कोच्चि तथा कारवाड़ भारत में ऐसे पत्तनों के उदाहरण हैं।